nwda.gov.in

दूषित नहीं होगा भूजल और वायु प्रदूषण भी नहीं फैलेगा

दिल्ली की पहली इंजीनियर्ड लैंडफिल साइट की शुरुआत, वैज्ञानिक ढंग से होगा कूड़े का निपटान

- उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने दक्षिणी दिल्ली के तेहखंड स्थित इंजीनियर्ड लैंडफिल साइट का किया उद्घाटन
- साइट पर प्रतिदिन 500 टन राख निस्तारित होगी, राख के बदले एमसीडी को 300 रुपये प्रति टन मिलेगा

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: उपराज्यपाल वीके सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली नगर निगम द्वारा तैयार दिल्ली की पहली इंजीनियर्ड लैंडफिल साइट का तेहखंड में उद्घाटन किया। एलजी और सीएम ने इस साइट के शुभारंभ को सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट (स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन) और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। साइट पर भूजल दूषित नहीं होगा और वायु प्रदूषण भी नहीं फैलेगा। इससे कूड़े के पहाड़ों को जल्द खत्म करने में भी मदद मिलेगी।

एलजी ने कहा कि भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन 1.0 के तहत 42.31 करोड़ की लागत से लैंडफिल साइट को बनाया गया। इसका निर्माण सितंबर 2021 में किया गया था। यह लैंडफिल साइट करीब 15 एकड़ जगह पर बनी है।

तेहखंड स्थित इंजीनियर्ड लैंडफिल साइट का निरीक्षण करते उपराज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और महापौर शैली ओबराय • जागरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साइट को आधुनिक तरीके से बनाया गया है। इसमें तेहखंड में ही स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से निकलने वाली कचरे की राख को डाला जाएगा। सीएम ने कहा कि दिल्ली को साफ व स्वच्छ बनाने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं और हमें सफलता भी मिल रही है। इस दौरान महापौर शैली ओबेराय, उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल समेत एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एलजी और मुख्यमंत्री ने इंजीनियर्ड लैंडफिल साइट पर नामपट्टिका का अनावरण किया और प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई। उन्होंने प्लांट का फाइनल माडल देखा। सीएम केजरीवाल और एलजी ने निगम की कूड़ा गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आइआइटी दिल्ली की मदद से तैयार इस साइट में राख को निस्तारित किया जाएगा। राख को डालने के लिए एमसीडी को 300 रु. प्रति टन मिलेगा। यहां रोजाना करीब 500 टन राख डाली जाएगी।